राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला में कनिष्ठ राष्ट्रीय कार्बनिक संगोष्ठी का आयोजन

राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला (एनसीएल), पुणे में दिनांक 8 से 10 नवम्बर, 2004 की अवधि में प्रथम कनिष्ठ राष्ट्रीय कार्बनिक संगोष्ठी न्यास संगोष्ठी का आयोजन किया गया । इस संगोष्ठी में सीएसआईआर की प्रयोगशालाओं सहित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भारतीय विज्ञान संस्थान, विश्वविद्यालयों और देश के अन्य प्रसिद्ध अनुसंधान और विकास केन्द्रों में कार्बनिक रसायन के क्षेत्र में अनुसंधान कार्य में संलग्न 50 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया ।

डॉ. के. नागराजन कॉरपोरेट सलाहकार, हिकल अनुसंधान एवं विकास केन्द्र, बेंगलूर एवं अध्यक्ष, न्यासी मंडल, राष्ट्रीय कार्बनिक संगोष्ठी न्यास ने इस अवसर पर राष्ट्रीय कार्बनिक संगोष्ठी न्यास की उत्पत्ति पर प्रकाश डाला । राष्ट्रीय कार्बनिक संगोष्ठी न्यास एक गैर-लाभकारी संगठन है जिसे देश के 5 सुप्रसिद्ध कार्बनिक रसायनज्ञों ने वर्ष 1980 के प्रारंभ में स्थापित किया था । इस संगठन का उद्देश्य संगोष्ठियों एवं सम्मेलनों के माध्यम से कार्बनिक रसायन विज्ञान तथा संबंधित क्षेत्रों को बढ़ावा देने के लिए एक मंच उपलब्ध कराना था । यह संगठन चुने हुए सुयोग्य रसायनज्ञों को उनके अनुसंधान संबंधी विचारों और सुझावों का आदान-प्रदान करने के लिए वर्ष 1988 से इस प्रकार की संगोष्ठियाँ आयोजित करता आ रहा है । अभी तक आयोजित की गईं 10 संगोष्ठियों की सफलता से उत्साहित होकर इस संगठन ने यह प्रस्ताव किया कि कार्बनिक रसायन विज्ञान एवं संबंधित क्षेत्रों में कार्यरत शोध छात्रों के लिए तीन दिवसीय सम्मेलन आयोजित करके इस प्रकार के आयोजनों का लाभ विद्यार्थियों को भी उपलब्ध कराया जाए ।

डॉ. एस शिवराम, (एनसीएल) ने इस संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए कहा कि एनसीएल इस प्रथम संगोष्ठी का आयोजन करके गौरवान्वित हो रही है । उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस संगोष्ठी में विचारार्थ विषय भिन्न-भिन्न, समकालीन और रोचक होंगे । उन्होंने यह भी सलाह दी कि हमें इसके नाम के पहले कनिष्ठ शब्द नहीं जोड़ना चाहिए जिससे कि हमारे युवा रसायनज्ञ भेदभाव महसूस न करें ।

इस संगोष्ठी में 12 सत्र थे, जिनकी अध्यक्षता प्रोफेसर एस.वी. केसर, रसायन विज्ञान विभाग, चंडीगढ़ विश्वविद्यालय, प्रोफेसर एम.एस. वाडिया, भूतपूर्व प्रमुख, रसायन विज्ञान विभाग, पुणे विश्वविद्यालय, प्रो. वी.के. सिंह, प्रोफेसर कार्बनिक रसायन विज्ञान, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुम्बई, डॉ. एस. राजप्पा, भूतपूर्व प्रमुख, कार्बनिक रसायन विज्ञान (संश्लेषण), प्रभाग, एनसीएल, डॉ. के. नागराजन, डॉ. एम. के. गुर्जर, प्रमुख कार्बनिक रसायन, (प्रौद्योगिकीय) प्रभाग, एनसीएल, डॉं. के. एन. गणेश, कार्बनिक रसायन (संश्लेषण) प्रभाग,

एनसीएल, डॉ. एस. चंद्रशेखरन, अध्यक्ष, रसायन विभाग प्रभाग, भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलूर, डॉ. एस. आर. सोनावणे, भूतपूर्व वैज्ञानिक, एनसीएल, डॉ. बी. गोपालन, ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स, मुम्बई, डॉ. के.वी. श्रीनिवासन, वरिष्ठ वैज्ञानिक, एनसीएल तथा डॉ. गणेश पाण्डेय, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने की ।

संगोष्ठी के प्रत्येक दिन तीन विशेष सायंकालीन व्याख्यान इस उद्देश्य से आयोजित किए गए कि युवा शोधकर्त्ता शिक्षण संस्थानों और उद्योगों में मिलने वाले अवसरों को समझ सकें, देश की जरूरतों को समझें और उनसे क्या आशाएँ हैं, यह भी समझें । इन व्याख्यानों में युवा अनुसंधान छात्रों को नैतिक मूल्यों, उनके महत्व एवं अवसरों सहित अनुसंधान के समग्र परिप्रेक्ष्य की रूप-रेखा प्रस्तुत की गई । प्रो. एस. चंद्रशेखरन, डॉ. के. नागराजन, डॉ. एस. राजप्पा ने क्रमशः "एक्साइटमेंट्स इन ऑरगैनिक केमिस्ट्री", "ऑरगैनिक केमिस्ट्री इन इंडस्ट्री-ऑपोर्चुनिटी और चैलेंजेज", "एथिक्स इन साइंस", विषय पर विशेष व्याख्यान दिए ।

इस संगोष्ठी की सभी ने बहुत प्रशंसा की । प्रतिभागियों ने इस संगोष्ठी की संकल्पना और इसके संचालन को सराहा । सभी प्रतिभागियों के लिए यह बहुत अच्छा अनुभव था क्योंकि इससे कार्यक्रम की गुणवत्ता, प्रतिभागियों का परस्पर विचार-विमर्श तथा विद्यार्थियों की भागीदारी सभी कुछ बहुत अच्छे स्तर की थी । डॉ. गणेश पाण्डेय वरिष्ठ वैज्ञानिक, एनसीएल एवं अध्यक्ष, राष्ट्रीय कार्बनिक संगोष्ठी न्यास परिषद ने अंत में सभी के प्रति आभार व्यक्त किया ।

________x________